

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 28 जुलाई, 1995

त्रमांक 1777-ज-2-95/11289.--श्री करतार सिंह, पुल श्री झण्डा सिंह, निवासी गांव कोड़वा खुर्द, तहसील नारायणगढ़, जिला श्रम्बाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुक्कार श्रिविनयम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के ग्रिधीन सरकार की ग्रिधिसूचना त्रमांक 590-ज-I-88/16834, दिनांक 25 मई, 1988 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रिधसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रव श्री करतार सिंह की दिनांक 10 दिसम्बर, 1992 को हुई भृत्यु के परिणान स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त ग्रिशिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में ग्रपनाया गया है और उसमें ग्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के ग्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री करतार सिंह की विधवा श्रीमती बिन्दुकौर के नाम खरीफ 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के ग्रन्तर्गत तबदील करते हैं।

त्रमांक 1778-ज-2-95/11293.-श्री बनवारी लाल, पुत्र श्री सीस राम, निवासी गांव कर)र, तहसील रोहतक, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रीधनिथम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के श्रधीन सरकार की श्रीधसूचना ऋमांक 2334-ज-2-75/26965, दिनांक 4 सितन्त्रर, 1975 द्वारा 100 रुखे वार्षिक श्रीर बाद में श्रीधसूचना ऋमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रीधसूचना ऋमांक 1789-ज- I-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री वनवारी लाल की दिनांक 1 अर्थल, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, जपरोक्त अधि-नियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री वनवारी लाल की विश्वया श्रीमती सत कौर के नाम खरीफ, 1995 से 1,000 रूपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्सर्गत तबदील करते हैं।

क्रमांक 1527-ज-2-95/11297--श्री जगमाल सिंह, पुत्र श्री सुवराय, निवासी गांव लूला ग्रहीर, तहसील झज्जर (ग्रव कौसली) जिला रोहतक (ग्रव रेवाड़ी) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार ग्राधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रधीन सरकार की श्रधिसूचना श्रमांक 425-ज-[[-77/9531, दिनांक 13 ग्रीन, 1977 द्वारा 150 रुपये पार्षिक श्रीर उसके बाद श्रिधसूचना श्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 ग्रवतूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ा कर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रव श्री जगमाल सिंह की दिनांक 20 जनवरी, 1994 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त ग्राधिनयम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें श्राज तक संगोधन किया गया है) की धारा 4 के श्रधीन प्रदान की गृह कि कि का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री जगमाल सिंह की विध्वा श्रीमती कुम्दना देवी के नाम खरीफ 1994 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

दिनांक 2 ग्रगस्त, 1995

ऋमांक 1816-ज-2-95/11510.--श्री चन्दगी राम, पुत्र श्री मूरू राम, निवासी गांव भूरावास, तहसील झज्जर, जिला रोहतक को पूर्वी पंजाव युद्ध पुरुस्कार ऋधिनियम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के अधीन सरकार की अधिसूचना ऋमांक 889=ज-2-77/17617, दिनांक 18 जुलाई, 1977 हारा 150 रुपये वार्षिक और उसके वाद में अधिसूचना ऋमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 हारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. ग्रब श्री चन्दगी राम की दिनांक 21 दिसम्बर, 1994 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त ग्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के प्रधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री चन्दगी राम की विध्या श्रीमती लाडोदेवी के नाम खरीफ 1995 से 1,000 रुपये धार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

जी० डी० सँनी,

भ्रवर सचित्र, हरियाणा सरकार,. राजस्य विभाग ।